महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252551 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

---

गांधी को समझने के लिए विनोबा को जानना जरूरी -गौतम बजाज

हिंदी विवि में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती समारोह

वर्धा दि. 3 अक्टूबर 2011: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के गांधी हिल पर आयोजित गांधी जयंती समारोह में राजीव गांधी राष्ट्रीय सदभावना पुरस्कार प्राप्त गांधी विचारक गौतम बजाज ने कहा कि गांधी दर्शन और तत्वज्ञान को समझने के लिए अकेला गांधी शब्द पूरा नहीं है, गांधी-विनोबा कहने से ही गांधी को पूर्णत्व प्राप्त होता है। इसलिए गांधी को समझने के लिए विनोबा को जानना जरूरी है।

विश्वविद्यालय के गांधी हिल पर रविवार को प्राप्त 6.30 बजे राष्ट्रपिता को अभिवादन करने हेतु एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन ने की। इस अवसर पर विनोबा आश्रम पवनार की कार्यकर्ता ऊषा बहन, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. के. जी. खामरे तथा अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी मंचस्थ थे।

गौतम बजाज ने बापू के जीवन कार्यों पर प्रकाश ड़ालते हुए कहा कि गांधी जी ने सत्याग्रह को अपने जीवन में जो महत्व दिया था, वह महत्व आज दिखाई नहीं दे रहा। आज यह शब्द सुनते ही मन में उलटी भावना निर्माण होती है। सत्याग्रह शब्द में शब्द तो बापू का है परंतु विचार बापू का प्रतिबिंबित नहीं हो रहा है। बापू के इस शब्द को विचार में लाने के लिए हमें सत्य–ग्रही बनना होगा, नहीं तो आग्रह तो रहेगा परंतु सत्य नहीं दिखेगा। गांधी और विनोबा ने सत्य और अहिंसा के लिए अपना जीवन खपाया। गांधी जी ने भारतीय परंपरा

और विचारधारा के अनुसार शांति शब्द का आविस्कार किया परंतु आज शांति और अहिंसा इन शब्दों में बड़ा फर्क नजर आता है।

सेवाग्राम आश्रम की कार्यकर्ता ऊषा बहन ने बापू को अभिवादन करते हुए कहा कि गांधी जी से मिलने का जो अवसर मिला उसे जीवन सार्थक हो गया। गांधी और विनोबा का जीवन अध्यात्मक पर खड़ा था, जीवन भर उन्होंने इसी पर अपना मार्गक्रमण किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन ने कहा कि गांधी जी के विचारदर्शन को शब्दों में नहीं बल्कि कर्मठता में लाना चाहिए। यह विश्वविद्यालय गांधी जी के नाम पर स्थापित होने से हम विश्वविद्यालय में 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर गांधीयन फिलासफी' नाम से वैश्विक स्तर के एक केंद्र का निर्माण कराना चाहते है जिसके माध्यम से विश्वनागरिक बोध को विकसित किया जाएगा। विदेशी नागरिकों के लिए पाठ्यक्रम भी केंद्र के माध्यम से चलाए जाने का मानस है। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथियों तथा उपस्थितों द्वारा गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अभिवादन किया गया। दामोदर राऊत तथा अरविंद वंजारी द्वारा वैष्णव जन तो तेणे कहिए तथा इतनी शक्ति हमें दे न दाता... भजन प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. के. जी. खामरे ने किया। इस अवसर पर श्रीमती खामरे सहित अध्यापक, कर्मी तथा छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बी एस मिरगे ,जनसंपर्क अधिकारी

पोष्ट - मानस मंदिर, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
Post- Manas Mandir, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), INDIA
Ph./Fax: (07152) 252651 ई-मेल/**E-mail: bsmirgae@gmail.com**, वेबसाईट/**Website:** www.hindivishwa.org